सिमरन

तर्ज़ – सत्गुरु दे मुखड़े उत्ते तन मन वार ... .

भज लै तू नाम बंदे सत करतार दा।
झूठा पसारा दुनिया है दिन चार दा।। टेक।।

कुटुम्ब क़बीला तेरा जो कुछ दिसदा।
न कोई तेरा ते न तूं कोई किसदा।।
इतनी तू बात बंदे नाहीं विचारदा, भज लै ... ...

झूठ ताईं छड के साच ख़रीद तूं।
सत्गुरु पूरेयां दा बन जा मुरीद तूं।
बेड़े जो डुबदे ताईं पार उतारदा, भज लै ... ...

नाम प्रभु दा जिस – जिस ध्याया।
विदित जगत् विच सब सुख पाया।।
धन्ने दे बछड़े प्रभु आके है चारदा, भज लै ... ...

" दासनदास " कुछ प्रेम कमा लै।
विषयां तों इस मन ताईं हटा लै।।
छड के प्यार विचों इस संसार दा, भज लै ... ...

नाम दान दयो गुरु जी असी जाईये न जहानों ख़ाली।। टेक।।

ऐ जग सारा स्वप्न तमाशा , चल गये रावण बाली।
धन – दारा न होये सहाई, ए अचरच है अचरच है चाली , नाम ... ...

लख़ा वाले वज गये ताले , गये दोनों हत्थ ख़ाली।
ज़न्म गया कुछ हाथ न आया, टूटा फल ज्यों डाली , नाम ... ...

ऐत्थो चल गये कारूं जैसे, चाली गंजां दे वाली।
नाम दान इक सत्गुरु संगी, " दासनदास " सवाली, नाम ... ...

तर्ज़ – मुझे अपना जलवा ... ...

बसा दिल के अंदर जो भगवान् होगा।
तो आया जगत् में भी परवान होगा।। टेक।।

यह दुनिया के धन्धे भुलाते हैं तुझको।
पता तब चलेगा, जभी ज्ञान होगा , बसा ... ...

जो कहते हैं भगवान रहता कहाँ हैं।
भला इससे बढ़कर क्या अज्ञान होगा, बसा ... ...

भलाई बुराई जताता है जो कि।
कहीं तेरे घट में वह अस्थान होगा, बसा ... ...

है दर्पण में सूरत तो हर वक़्त हाज़िर।
परदा चढ़ा हो तो क्या भान होगा, बसा ... ...

मिले गरचे पूरा गुरु इस जगत् में।
कहे '' दास '' निश्चे ही कल्याण होगा, बसा ... ...